Seventeenth Loksabha

>

Title: Request to issue a post ticket on the name of Parshuramji on Akshay Tritya.

श्री सी.पी. जोशी (चित्तौड़गढ़)**: अध्यक्ष जी, हमारा राष्ट्र ऋषि परम्परा का राष्ट्र है । श्रेष्ठ आर्य संस्कृति के समुच्चय 'आर्यावर्त' में सतयुग (कृतयुग), त्रेता, द्वापर और कलियुग में समय-समय पर अवतारों ने जन्म लिया और ऋषि-मुनियों ने लोक का नेतृत्व कर जनगणकों को सत्पथ हेतु साधा । इन्हीं अन्वेषक ऋषियों के ज्ञान, तप अन्वेषणों से भारत विश्व गुरु कहलाया । आर्य संस्कृति के प्रसार से 'वसुधैव कुटुम्बकम' का स्वप्न साकार किया जा सकता है । आर्य संस्कृति के ध्वज वाहक अवतारों, प्रचेताओं, ऋषियों की स्मृति को अक्षुण्ण बनाने के लिए महान भारतीय संसद ने कई शुभ संकल्प पारित किए हैं । स्मृति स्वरूप डाक टिकट जारी करना, ऐसे दिव्य आत्माओं को समर्पित संस्थाओं का गठन, इनकी मूर्तियों का अनावरण भी किया । सम्पूर्ण विश्व के करोड़ों समाज के आराध्य देव भगवान श्री परशुराम जी के ऊपर डाक टिकट जारी होना चाहिए क्योंकि सारस्वत क्षेत्र काबुल, अफगानिस्तान, कश्मीर, हिंदुकुश, गंधार, पेशावर, रूस, ब्लुचिस्तान, ईरान, फारस, केस्पियन सागर आदि सुदूर क्षेत्रों में स्वयं जाकर आर्य-अनार्य जनों का राजनीतिक सांस्कृतिक एकीकरण कर 'कृष्णंतो विष्वमार्यम' के मंत्र को सिद्ध किया । जामदस्य परशुराम ने अनेक शास्त्रों की रचना की । शास्त्रों के साथ ही कई ब्रह्मास्त्र, दिव्यास्त्र, रूद्रास्त्र को सिद्ध किया । पाशुपत अस्त्र, भुषुंडी (बंदूक), शतहनी (तोप), का आविष्कार भगवान श्री परशुराम ने किया । भगवान श्री परशुराम जी ने परवर्ती वाममार्गीय साधना का परिष्कार कर परशुराम तन्त्र विकसित किया और वे सशस्त्र दृष्टि के प्रयोक्ता थे । मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम और भगवान श्री कृष्ण की तरह परशुराम जी ने सतयुग व त्रेता के संधिकाल में जनसाधारण एवं जनजातियों को संगठित कर आर्य संस्कृति**

को बचाने का कार्य किया । पूर्व में भी हमारे आग्रह पर भारत सरकार ने भगवान परशुराम जी की तपस्या स्थली मातृकुण्डिया में पेनोरमा हो या वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप, चाहे वीर झालामन्ना, वीर जयमल जी राठौड़ के ऊपर डाक टिकट जारी करना हो, चाहे ट्रेन का नाम वीर भूमि एक्सप्रेस करना हो, मेरा आपके माध्यम से संचार मंत्री जी से निवेदन है कि आने वाली अक्षय तृतीया पर भगवान परशुराम जी पर डाक टिकट जारी हो, ताकि देश के करोड़ों लोगों के अराध्य देव परशुराम जी के लिए उनके मन में श्रद्धा का भाव पैदा हो । आपका सानिध्य मिलेगा, इसलिए निश्चित रूप से भगवान परशुराम जी पर एक डाक टिकट जारी हो ।